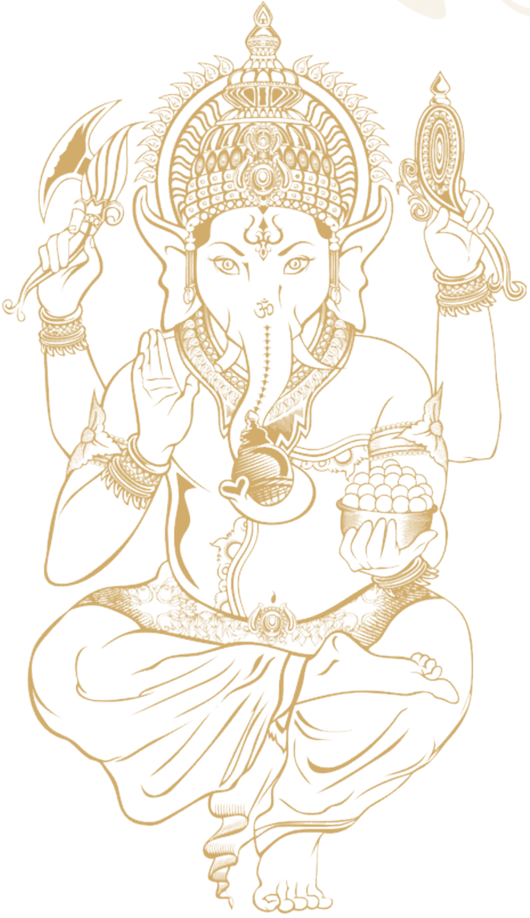

Mr Shivam singh

11 Nov 1992

08:35 PM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 120947602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/11/1992**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:35:00 घंटे**
इष्ट	34:47:13 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:14:44 घंटे
वेलान्तर	00:15:59 घंटे
साम्पातिक काल	23:38:45 घंटे
सूर्योदय	06:40:06 घंटे
सूर्यास्त	17:28:26 घंटे
दिनमान	10:48:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	25:43:19 तुला
लग्न के अंश	13:49:27 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	13:49:27	320:51:13	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	25:43:19	01:00:20	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			वृष	10:48:23	13:18:35	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	01:56:59	00:12:37	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध	व		वृश्चि	14:36:54	00:01:59	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			कन्या	12:38:50	00:11:03	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	03:56:48	01:12:13	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
शनि			मक	18:39:07	00:02:39	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	27:56:41	00:02:03	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	27:56:41	00:02:03	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			धनु	21:18:11	00:02:22	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:58:04	00:01:25	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	28:58:14	00:02:25	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	00:27:14	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:42

लग्न-चलित

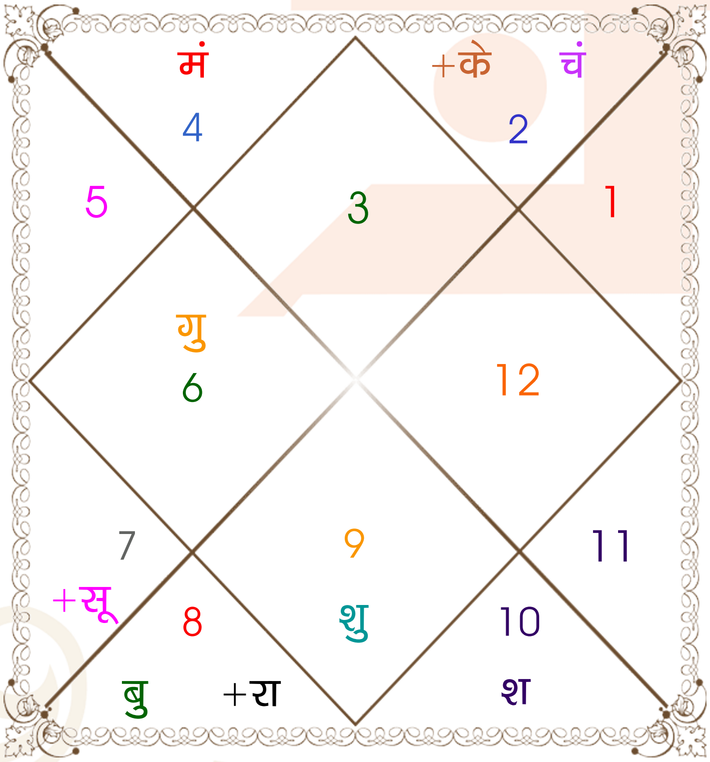

चन्द्र कुंडली

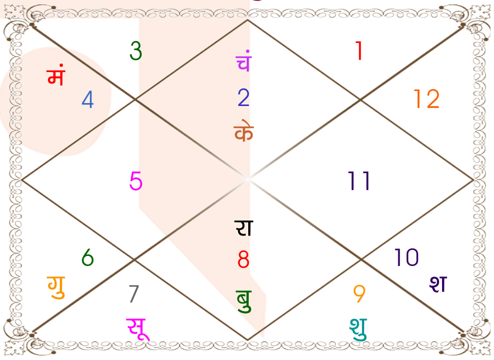

नवमांश कुंडली

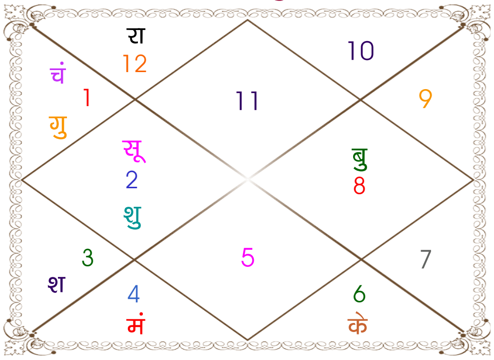

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 4 मास 22 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/11/1992		05/04/2002		05/04/2009		05/04/2027		05/04/2043	
05/04/2002		05/04/2009		05/04/2027		05/04/2043		05/04/2062	
चंद्र	03/02/1993	मंगल	01/09/2002	राहु	17/12/2011	गुरु	23/05/2029	शनि	08/04/2046
मंगल	04/09/1993	राहु	20/09/2003	गुरु	11/05/2014	शनि	05/12/2031	बुध	16/12/2048
राहु	06/03/1995	गुरु	25/08/2004	शनि	17/03/2017	बुध	12/03/2034	केतु	25/01/2050
गुरु	05/07/1996	शनि	04/10/2005	बुध	05/10/2019	केतु	15/02/2035	शुक्र	27/03/2053
शनि	03/02/1998	बुध	02/10/2006	केतु	22/10/2020	शुक्र	16/10/2037	सूर्य	09/03/2054
बुध	05/07/1999	केतु	28/02/2007	शुक्र	23/10/2023	सूर्य	05/08/2038	चंद्र	08/10/2055
केतु	04/02/2000	शुक्र	29/04/2008	सूर्य	16/09/2024	चंद्र	05/12/2039	मंगल	16/11/2056
शुक्र	04/10/2001	सूर्य	04/09/2008	चंद्र	18/03/2026	मंगल	10/11/2040	राहु	23/09/2059
सूर्य	05/04/2002	चंद्र	05/04/2009	मंगल	05/04/2027	राहु	05/04/2043	गुरु	05/04/2062

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/04/2062		05/04/2079		05/04/2086		06/04/2106		05/04/2112	
05/04/2079		05/04/2086		06/04/2106		05/04/2112		00/00/0000	
बुध	01/09/2064	केतु	01/09/2079	शुक्र	04/08/2089	सूर्य	25/07/2106	चंद्र	12/11/2112
केतु	29/08/2065	शुक्र	31/10/2080	सूर्य	05/08/2090	चंद्र	23/01/2107		00/00/0000
शुक्र	29/06/2068	सूर्य	08/03/2081	चंद्र	04/04/2092	मंगल	31/05/2107		00/00/0000
सूर्य	05/05/2069	चंद्र	07/10/2081	मंगल	05/06/2093	राहु	24/04/2108		00/00/0000
चंद्र	05/10/2070	मंगल	05/03/2082	राहु	04/06/2096	गुरु	10/02/2109		00/00/0000
मंगल	02/10/2071	राहु	24/03/2083	गुरु	03/02/2099	शनि	23/01/2110		00/00/0000
राहु	20/04/2074	गुरु	28/02/2084	शनि	06/04/2102	बुध	29/11/2110		00/00/0000
गुरु	26/07/2076	शनि	08/04/2085	बुध	04/02/2105	केतु	06/04/2111		00/00/0000
शनि	05/04/2079	बुध	05/04/2086	केतु	06/04/2106	शुक्र	05/04/2112		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रुझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।